नई दुनिया 28/8/2019

यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स को सालभर मिल रहा प्लेसमेंट

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के छात्रों को अब पूरे साल जॉब के मौके मिल रहे हैं। बैंकिंग, बीपीओ और प्राइवेट सेक्टर की कंपनियां सीधे विभागों से छात्रों को जॉब देने के लिए अप्रोच कर रही हैं। जो छात्र आखिरी साल की पढ़ाई कर रहे हैं उन्हें बीच सेशन में शॉर्टलिस्ट कर लिया जा रहा है। इसमें बीकॉम, बीएससी, एमएससी और एमबीए के छात्र हैं। लोकल स्तर की कंपनियों के अधिकारी सालभर जॉब देने के लिए प्लेसमेंट ड्राइव चला रही हैं। हालांकि टॉप विभागों के छात्रों को बड़ी कंपनियों का इंतजार रहता है। ऐसे में टॉप थ्री विभाग को छोड़कर बाकी के विभागों के छात्र शामिल हो रहे हैं।

शहर की कंपनियां यूनिवर्सिटी के विभागों से सीधे ले रही छात्र

तीन लाख तक का पैकेज ऑफर

आईएमएस के प्लेसमेंट अधिकारी अवनीश व्यास और निशिकांत चाइकर का कहना है कि सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के तहत शहर की कई कंपनियां बीच सेशन में भी यूनिवर्सिटी से भावी कर्मचारियों को लेने के लिए आ रही हैं। इससे बैंकिंग, बीपीओ और अन्य सेक्टर की प्राइवेट कंपनियों में कभी भी छात्र प्लेसमेंट ले सकते हैं। जो छात्र आखिरी साल की पढ़ाई कर रहे हैं और शहर में ही जॉब करना चाहते हैं उन्हें कंपनियां तीन लाख वार्षिक तक का पैकेज देने के लिए तैयार है। मार्केटिंग, एचआर, कस्टमर केयर जैसे कामों में छात्रों को ज्यादा जॉब ऑफर किए जा रहे हैं। कंपनियों की डिमांड को देखते हुए उन छात्रों को भी हम कंपनियों के साथ जोड़ रहे हैं जो कुछ समय पहले ही पासआउट हुए हैं और जॉब की तलाश कर रहे हैं।

बिना शुल्क में मिल जाते हैं अच्छे छात्र

कंसल्टेंसी के रास्ते न जाकर सीधे कंपनियों के अधिकारियों द्वारा विभागों को अप्रोच किए जाने से कंपनियों का कंसल्टेंसी को दिए जाने वाले शुल्क की भी बचत हो रही है और यूनिवर्सिटी से अच्छे एम्पलाई मिल पा रहे हैं। होलकर साइंस कॉलेज में भी स्थानीय स्तर की कंपनियां इसी तरह सीधे प्लेसमेंट अधिकारियों से बात करके छात्रों को जॉब ऑफर कर रही है।

सजावट भी ईको फ्रेंडली वस्तुओं से

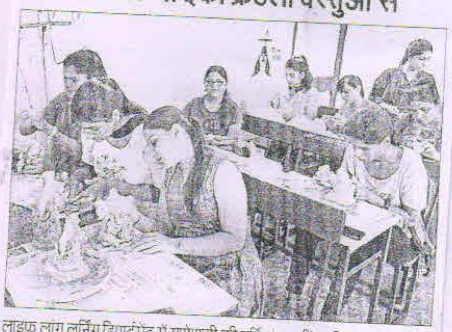

लाइफ लांग लर्निंग डिपार्टमेंट में गणेशजी की मूर्तियां बनातीं युवतियां। ● नईदुनिया

डीएवीवी के डिपार्टमेंट ऑफ लाइफ लांग लर्निंग में जारी कार्यशाला में प्रशिक्षणार्थियों ने बेहद खूबसूरत मूर्तियां बनाई। प्रशिक्षक वर्षा रोचलानी बताती हैं कार्यशाला में पीली और मुलतानी मिट्टी के मिश्रण से मूर्ति बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। मूर्तियों में पौधों के बीज भी डाले गए ताकि जब मूर्ति विसर्जित की जाए तो बीज अंकुरित हो सकें। मूर्तियां पूरी